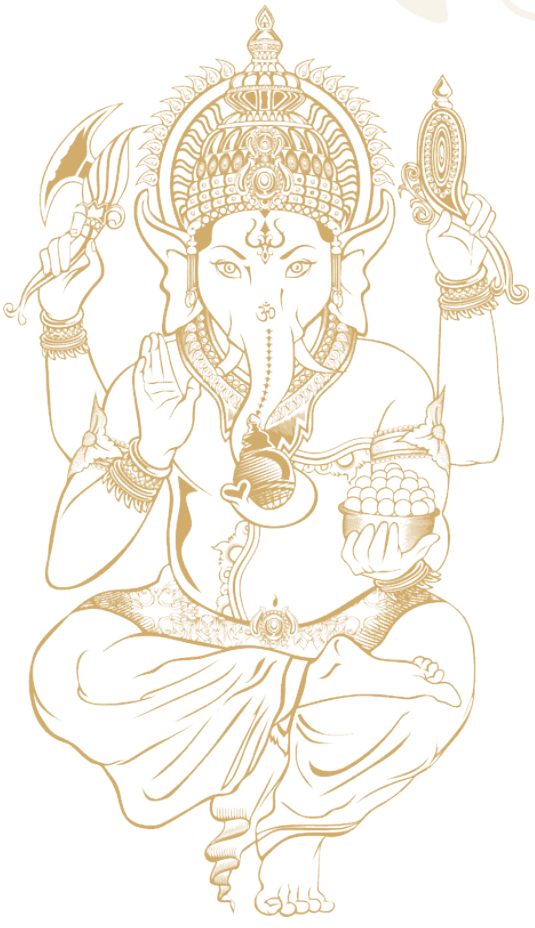

mukesh

seema

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121439807

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 20/12/1997 | जन्म तिथि | 10/01/1997 |
| शनिवार | दिन | शुक्रवार |
| घंटे 16:30:00 | जन्म समय | 22:45:00 घंटे |
| घटी 23:28:02 | जन्म समय(घटी) | 38:46:31 घटी |
| India | देश | India |
| Mumbai | स्थान | Delhi |
| 18:58:00 उत्तर | अक्षांश | 28:39:00 उत्तर |
| 72:50:00 पूर्व | रेखांश | 77:13:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:38:40 | स्थानिक संस्कार | -00:21:08 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 07:06:47 | सूर्योदय | 07:15:31 |
| 18:05:51 | सूर्यास्त | 17:42:04 |
| 23:49:38 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:48:58 |

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शुक्र 11वर्ष 3मा 13दि | | 12:40:05 | वृष | लग्न | कन्या | 02:51:45 | चन्द्र 3वर्ष 9मा 5दि | |
| मंगल | | 04:46:03 | धनु | सूर्य | धनु | 26:42:01 | गुरु | |
| 04/04/2025 | | 19:08:33 | सिंह | चंद्र | मक | 18:18:47 | 17/10/2025 | |
| 03/04/2032 | | 07:52:46 | मक | मंगल | कन्या | 08:20:30 | 17/10/2041 | |
| मंगल | 31/08/2025 | 27:27:54 | वृश्चि व | बुध व | धनु | 09:29:50 | गुरु | 05/12/2027 |
| राहु | 18/09/2026 | 26:06:40 | मक | गुरु | मक | 03:37:04 | शनि | 17/06/2030 |
| गुरु | 25/08/2027 | 09:18:11 | मक | शुक्र | धनु | 06:47:44 | बुध | 22/09/2032 |
| शनि | 03/10/2028 | 19:43:18 | मीन | शनि | मीन | 08:04:54 | केतु | 29/08/2033 |
| बुध | 30/09/2029 | 19:47:12 | सिंह व | राहु व | कन्या | 07:35:20 | शुक्र | 29/04/2036 |
| केतु | 26/02/2030 | 19:47:12 | कुंभ व | केतु व | मीन | 07:35:20 | सूर्य | 15/02/2037 |
| शुक्र | 28/04/2031 | 12:41:50 | मक | हर्ष | मक | 10:00:09 | चन्द्र | 17/06/2038 |
| सूर्य | 03/09/2031 | 04:42:33 | मक | नेप | मक | 03:22:31 | मंगल | 24/05/2039 |
| चन्द्र | 03/04/2032 | 12:31:25 | वृश्चि | प्लूटो | वृश्चि | 10:52:49 | राहु | 17/10/2041 |

**लग्न-चलित**

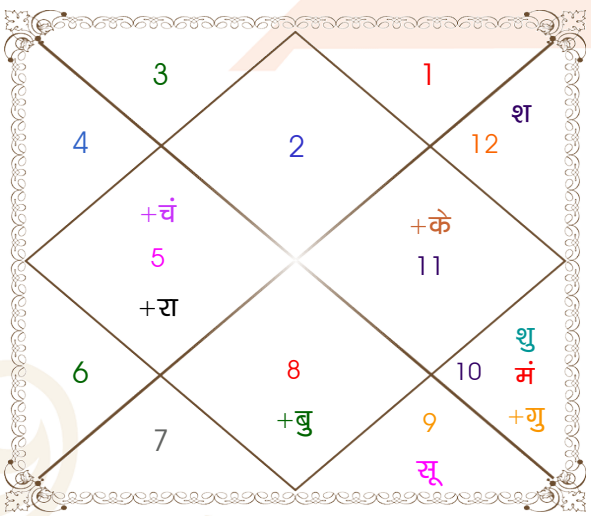


**लग्न-चलित**

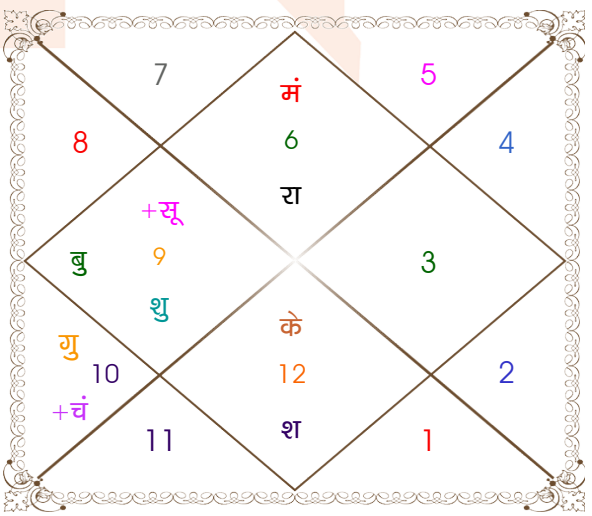

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | वैश्य | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | वनचर | जलचर | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | मित्र | विपत | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | मूषक | वानर | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | सूर्य | शनि | 5 | 0.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | देव | 6 | 5.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | सिंह | मकर | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | अन्त्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 18.50 | | |

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

mukesh का वर्ग श्वान है तथा seema का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार mukesh और seema का मिलान औसत है।

## मंगलीक दोष मिलान

mukesh मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

seema मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।**
**न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु seema कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि mukesh कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

mukesh तथा seema में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।